(ग) और (घ). सवाल नहीं उठता ।

मेहासी (बिहार) में ओयस्टर बटन मैन्यु-फैक्चरिंग फैक्टरी में नियुक्तियां

4606. **श्री क० मि० मधुकर** : क्या **औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार में मेहासी बाजार स्थित ओयस्टर बटन मैन्यु-फैक्चरिंग फैक्टरी के लिए संयुक्त सेवा प्रबंध के अन्तर्गत हाल में कुछ नए अधिकारी नियुक्त किए गए हैं;

(ख) यदि हां, तो इन अधिकारियों की नियुक्ति के बाद उद्योग ने किस प्रकार की प्रगति की है तथा उस उद्योग के उद्योगपतियों ने कितना लाभ कमाया है;

(ग) उसके उत्पादन, बिक्री और इस फैक्टरी में इन अधिकारियों के सेवा काल का ब्यौरा क्या है; और

(घ) उनको वहां रखने तथा सरकार से वेतन प्राप्त करने का औचित्य क्या है ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ). प्रश्न ही नहीं उठते ।

मेहासी (बिहार) में ओयस्टर (शंख) बटन निर्माण उद्योग

4607. **श्री क० मि० मधुकर** : क्या **औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के चम्पारन जिले में मेहासी स्थित ओयस्टर (शंख) बटन निर्माण उद्योग को लघु उद्योग माना जाता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने कभी सरकारी तथा गैर-सरकारी सदस्यों की एक जांच समिति नियुक्त करके इस उद्योग द्वारा कच्चे माल क्रय-विक्रय कार्यकारी पूंजी तथा इसके प्रबन्ध के बारे में जांच करने का प्रयत्न किया है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार इस दुर्लभ उद्योग की अवनति की जिम्मेवारी को स्वीकार करने को तैयार है; और

(घ) इसकी दशा में सुधार करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) जब इसे बिजली की सहायता के बिना चलाया जाता है तो इसे कुटीर उद्योग समझा जाता है और जब बिजली की सहायता से चलाया जाता है तो इसे लघु उद्योग समझा जाता है ।

(ख) सरकार ने अभी तक इस प्रकार की किसी समिति के गठन की आवश्यकता नहीं समझी । सीप बटन उद्योग के लिए राज्य सरकार द्वारा स्थापित संयुक्त सेवा संगठन मेहासी में 1956 से काम कर रहा है ।

(ग) और (घ). राज्य सरकार इस उद्योग की कठिनाइयों से भली भांति परिचित है और इसकी परिस्थितियों को सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं । इस उद्योग का ह्रास नाइलोन तथा प्लास्टिक बटनों से प्रतिस्पर्धा के कारण हुआ है ।

Firms of Birlas and Tatas in India and Abroad

4608. SHRI K. N. PANDEY: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of Companies, Mills and firms in India and abroad belonging to the Birlas and Tatas at present;

(b) the capital invested in these concerns at present;